भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर

प्रश्न बैंक : कक्षा-दसवीं   कविता - तोप   कवि - वीरेन डंगवाल

1. विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: विरासत में हमें अच्छी और बुरी दोनों तरह की चीज़ें मिल सकती हैं। ये हमारी धरोहर होती हैं । इनसे हमारे इतिहास का परिचय भी प्राप्त होता है । अच्छी चीज़ें हमें ये बताती हैं कि हमारे पूर्वजों की क्या उपलब्धियाँ थीं तथा इनसे उनके जीवन का परिचय मिलता है । उनसे जीवन जीने की प्रेरणा मिलती है । हमें पता चलता है कि उन्होंने कौन-से अच्छे काम किए ताकि हम उन्हें दोहरा सकें। बुरी चीज़ें हमें ये बताती हैं कि हमारे पूर्वजों ने क्या ग़लतियाँ कीं ताकि हम उन्हें फिर से न दोहराएँ। हमें गुलाम नहीं होना पड़े ।

2. इस कविता से आपको तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर: इस कविता से हमें तोप के बारे में यह पता चलता है कि वह ईस्ट इंडिया कंपनी के ज़माने की है। यह एक विशाल तोप है जिसने अपने ज़माने में कितने ही सूरमाओं की धज्जियाँ उड़ा दी थीं। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से यह तोप हमारे लिए महत्त्वपूर्ण है। इसका प्रयोग अंग्रेज़ों ने 1857 के संग्राम को कुचलने के लिए किया था ।

3. कंपनी बाग़ में रखी तोप क्या सीख देती है?

उत्तर: कंपनी बाग़ में रखी तोप एक अहम सीख देती है। कंपनी का बाग़ और कंपनी की तोप; दोनों ही अंग्रेज़ी राज की निशानी हैं। बाग़ एक अच्छी निशानी है तो तोप एक बुरी निशानी है। एक ओर तो अंग्रेज़ी राज से हमें आधुनिक शिक्षा और रेल मिली तो दूसरी ओर हमें गुलामी की बेड़ियाँ मिलीं। यह तथ्य बताता है कि हर चीज़ के दो पहलू होते हैं; एक अच्छा और एक बुरा। तोप सीख देती है कि हम भविष्य में ऐसी कोई ग़लती न करें, जो हमने पहले की थी । भविष्य में कोई और ऐसी कंपनी यहाँ पाँव न जमाने पाए, जिसके इरादे नेक न हों और फिर वही तांडव मचे, जिसके घाव अभी तक हमारे दिल में हरे हैं ।

4. कविता में 'तोप' को साल में दो बार चमकाने की बात की गई है। क्या यह पर्याप्त है? क्यों ?

उत्तर: हाँ, 'तोप' जैसे हथियारों को साल में दो बार चमकाया जाना पर्याप्त है । ये दोनों अवसर हमारे राष्ट्रीय त्योहार; स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) और गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) हो सकते हैं। ये दोनों दिन गुलामी से आज़ादी की ओर किए गए हमारे संघर्ष की कहानी कहते (बयान करते) जान पड़ते हैं ।

5. 'तोप' कविता का मुख्य भाव स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर: 'तोप' कविता का मूल भाव यह है कि कोई चाहे कितना ही बलवान व ताक़तवर क्यों न हो, अत्याचारियों के अत्याचार का अंत एक-न-एक दिन अवश्य हो जाता है । हमें अहंकार नहीं करना चाहिए । हमें अपने देश की रक्षा के लिए सतर्क रहना चाहिए । अपने पूर्वजों से विरासत में मिली वस्तुओं का तथा उनके बलिदान का सम्मान करना चाहिए ।

6. आज विशाल तोप शक्तिहीन है । आप इस बात से कहाँ तक सहमत हैं ?

उत्तर: आज विशाल तोप शक्तिहीन है । यह निष्क्रिय रूप में पर्यटकों के लिए एक धरोहर मात्र बनकर पड़ी हुई है । अब लोग जागरूक हो चुके हैं । आज के लोग अत्याचारी व अहंकारी शासकों को मुँह तोड़ जवाब देना जानते हैं । कोई कितना भी ताक़तवर क्यों न हो, एक दिन तो उसका विनाश निश्चित है । इसीलिए उस ज़बरदस्त तोप पर बच्चे घुड़सवारी करते हैं और उसका मुँह बंद हो चुका है ।

7. तोप और चिड़ियाँ किसके प्रतीक हैं ?

उत्तर: 'तोप' प्रतीक है - अत्याचारी शासन व्यवस्था की और 'चिड़ियाँ' प्रतीक हैं - उस आज़ादी की जो इस सत्य को उद्घाटित करती हैं कि कितना भी बड़ा अत्याचारी क्यों न हो, एक-न-एक दिन उसका मुँह बंद हो जाता है ।

8. 'तोप' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।

उत्तर: भारतवर्ष में व्यापार करने के उद्देश्य से आई "ईस्ट इंडिया कंपनी" धीरे-धीरे हमारी शासक बन गई । उसने कई जगह बाग़ लगवाए और तोपें भी बनवाईं । बाद में देश के कई जाँबाज़, जो देश को पुनः आज़ाद करने के लिए निकले थे, उन्हें मौत के घाट इन्हीं तोपों से उतार दिया गया । अब अंग्रेज़ी शासकों के चले जाने के बाद कंपनी बाग़ों की देखभाल की जाती है, वैसे ही साल में दो बार (15 अगस्त, 26 जनवरी को) इन तोपों को चमकाया जाता है । इन्हें हम अपने पूर्वजों की धरोहर के रूप में सँभालकर रखते हैं । यह तोप, जिसका वर्णन कविता में किया गया है, कानपुर में कंपनी बाग़ के मुहाने पर रखी हुई है । बाग़ को देखकर व जानकर हमें देश और समाज की प्राचीन उपलब्धियों का भान होता है तथा तोप हमें बताती है कि हमारे पूर्वजों से कब, क्यों और कहाँ चूक हुई थी । यह हमें सचेत करती है कि उस ग़लती की पुनरावृत्ति अब कतई न होने पाए । कंपनी बाग़ में आने वाले सैलानियों के लिए यह एक दर्शनीय वस्तु है । बच्चे इस पर बैठकर घुड़सवारी का आनंद लेते हैं । उसके बाद चिड़ियाँ इस पर बैठकर कुछ गपशप करती हैं तथा कभी-कभी इसके अंदर भी घुस जाती हैं । यह तोप हमें बताती है कि चाहे कितना ही बड़ा क्रूर अत्याचारी शासक क्यों न हो, उसका भी एक दिन मेरी ही तरह हमेशा के लिए मुँह बंद हो जाता है ।

9. 'तोप' अपना परिचय किस रूप में देती है ? **अथवा** 'तोप' अपना महत्त्व किस रूप में बताती है ?

उत्तर: 'तोप' पर्यटकों को अपना परिचय देते (महत्त्व बताते) हुए कहती है कि अपने ज़माने में वह बहुत शक्तिशाली थी । बड़े-बड़े योद्धाओं के हौसले उसने पस्त कर दिए थे; उनके धज्जे उड़ा दिए थे । उसकी शक्ति के आगे बड़े-बड़े वीर नतमस्तक होते थे ।

10. निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए:

1. अब तो बहरहाल
   छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
   तो उसके ऊपर बैठकर
   चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप।

   उत्तर: ये पंक्तियाँ उस तोप की वर्तमान दशा का चित्रण करती हैं। अब उस तोप से कोई नहीं डरता है। बच्चे उसे खेल का सामान मानते हैं और उसे घोड़ा मानकर उस पर सवारी करते हैं । उनके बाद चिड़ियाँ उस पर बैठकर गपशप करती हैं। बच्चे और चिड़ियाँ निर्बल होते हुए भी उस तोप से नहीं डरते, जिसका कभी बहुत खौफ़ हुआ करता था।

2. वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
   एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

   उत्तर: चिड़ियाँ तोप के मुँह के भीतर घुसकर यह सिद्ध करने की कोशिश करती हैं कि अब वह बेजान लोहे के सिवा कुछ भी नहीं है। जो तोप कभी आग उगलती थी, अब वह पूरी तरह से ख़ामोश है। एक-न-एक दिन अत्याचार का अंत अवश्य होता है ।

3. उड़ा दिए थे मैंने
   अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे।

   उत्तर: ये पंक्तियाँ उस तोप के उत्कर्ष के दिनों का बयान करती हैं। कभी वे भी दिन हुआ करते थे, जब उस तोप का इस्तेमाल लोगों की धज्जियाँ उड़ाने में किया जाता था। बड़े-बड़े वीर योद्धा इसके सामने नहीं टिक पाते थे ।